

बिठ्ठलदास संस्कृत सीरीज

३४

कृष्णद्वैपायनमहर्षिव्यासविरचितम्-

वराहपुराणम्

विस्तृत भूमिका, हिन्दी अनुवाद एवं श्लोकार्थानुक्रमणिका सहित

अनुवादक एवं सम्पादक

डॉ. सुरकान्त झा

ज्योतिषशास्त्राचार्य, शिक्षाशास्त्री

पी-एच. डी



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी

वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
१.	ईशवन्दन, धरणि का प्रश्न और विष्णु स्तुति	१
२.	नवविध सर्ग और नारद का पूर्वजन्मवृत्त	५
३.	नारद प्रोक्त ब्रह्मपारग स्तोत्र एवं उसके पूर्वजन्म वृत्तान्त	१४
४.	श्रीविष्णु की अष्टमूर्ति एवं कपिल व जैगीषव्य से अश्वशिरा को उपदेश प्राप्ति	१८
५.	अश्वशिरा मोक्ष जिज्ञासा और नारायण स्तुति	२३
६.	वसुकृत पुण्डरीकाक्ष स्तोत्र तथा उनका पूर्वजन्म वृत्त	३०
७.	गया में पिण्डदान माहात्म्य एवं रैभ्यकृत् गदाधर स्तोत्र	३५
८.	धर्मव्याध चरित्र और सदकृत विष्णु स्तुति	४१
९.	मत्स्यावतार द्वारा वेदों का उद्धार और देव द्वारा मत्स्य स्तुति	४८
१०.	दुर्जय चरित मृगया और गौरमुख आश्रम वर्णन	५२
११.	गौरमुख द्वारा दुर्जय का सत्कार और मणिलोभी दुर्जय का वध	६१
१२.	सुप्रतीक की राम स्तुति और परमेश्वर में उनका लीन होना	७३
१३.	पितरोत्पत्ति और उनकी सन्तति, श्राद्धकाल तथा पितृगीता	७६
१४.	श्राद्ध योग्य ब्राह्मण, श्राद्धविधि और फल	८४
१५.	गौरमुख को पूर्वजन्म ज्ञान और विष्णु सायुज्य की प्राप्ति	९०
१६.	देव-दानव युद्धोद्योग, गोमेध यज्ञ और सरमा उपाख्यान	९३
१७.	प्रजापाल और महातपाख्यान, देव के अहंकार शमन, सोम का प्राधान्य वर्णन	९८
१८.	अग्न्युत्पत्ति और उनके विविध नाम	१०६
१९.	अग्नि की उत्पत्ति और प्रतिपदा तिथि का आधिपत्य	१०९
२०.	अश्विनी कुमारोत्पत्ति, ब्राह्मपारस्तोत्र, द्वितीया तिथि का आधिपत्य	१११
२१.	दक्ष यज्ञ विध्वंश, रुद्रस्तुति, रुद्र हेतु दक्ष का कन्यादान	११५
२२.	दक्षयज्ञध्वंस, गौरी का देहत्याग, पार्वती जन्म और विवाह	१२४
२३.	गणेशावतार और चतुर्थी तिथि का आधिपत्य प्राप्ति	१३१
२४.	नागोत्पत्ति, पञ्चमी तिथि का आधिपत्य प्राप्ति, नागों का दुग्ध स्नान फल	१३५
२५.	स्कन्दोत्पत्ति, षष्ठी का आधिपत्य, फल भक्षण फल आदि	१४०
२६.	द्वादशादित्योत्पत्ति सप्तमी का आधिपत्य, सूर्यार्चाफल	१४६
२७.	अन्धकवध, मातृगणोत्पत्ति, अष्टमी में मातृगण पूजन माहात्म्य	१४८
२८.	नन्दा (गायत्री) देवी की उत्पत्ति, वेत्रासुरा का वध, नवमी फल	१५३
२९.	दिशोत्पत्ति, दशमी तिथि आधिपत्य, दशमी को दही भक्षण फल	१५८
३०.	धनदा-उत्पत्ति, एकादशी तिथि आधिपत्य, अपक्व भोजन फल	१६०
३१.	विष्णु की उत्पत्ति, द्वादशी का आधिपत्य	१६१

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
३२.	धर्मोत्पत्ति और आख्यान, त्रयोदशी तिथि आधिपत्य, पाय से पितृ तर्पण फल	१६४
३३.	रुद्रोत्पत्ति, चतुर्दशी तिथि का आधिपत्य, रुद्रयजन का महाफल	१६८
३४.	पितरोत्पत्ति, अमावास्या का आधिपत्य और तिलदान महत्त्व	१७२
५.	सोमोत्पत्ति और उसका महत्त्व तथा पूर्णिमा तिथि आधिपत्य	१७४
३६.	प्रजापाल राजा का गोविन्द स्तुति सायुज्य	१७६
३७.	धर्मव्याधाख्यान और विष्णुनाम माहात्म्य	१८०
३८.	धर्मव्याध-दुर्वासोपाख्यान	१८५
३९.	मार्गशीर्ष शुक्ल मत्स्य द्वादशी विधान और माहात्म्य	१८९
४०.	पौषशुक्ल कूर्म द्वादशी व्रत विधि व माहात्म्य	१९८
४१.	माघशुक्ल वाराह द्वादशी व्रत एवं माहात्म्य	२००
४२.	फाल्गुन शुक्ल नरसिंह द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२०५
४३.	चैत्रशुक्ल वामन द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२०७
४४.	वैशाख शुक्ल जामदग्न्य द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२०९
४५.	ज्येष्ठ शुक्ल राम द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२११
४६.	आषाढ़ शुक्ल वासुदेव द्वादशी व्रत विधा और माहात्म्य	२१३
४७.	श्रावण शुक्ल बुध द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२१५
४८.	भाद्रशुक्ल कल्कि द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२१७
४९.	आश्विन शुक्ल पद्मानाभ द्वादशी व्रत विधि और माहात्म्य	२२१
५०.	कार्तिक शुक्ल योगेश्वर द्वादशी व्रतविधि और माहात्म्य, धरणी व्रत समापन	२२६
५१.	मोक्षधर्म निरूपण और पशुपालोपाख्यान	२२९
५२.	पशुपाल का उपाख्यान	२३३
५३.	स्वर पुरुष का उपाख्यान	२३४
५४.	श्रेष्ठ भर्तृ प्राप्ति व्रत विधान	२३७
५५.	उत्तम व्रतानुष्ठान विधि और माहात्म्य	२४०
५६.	धन्यव्रत और उसका माहात्म्य	२४७
५७.	कान्तिव्रत और माहात्म्य	२४९
५८.	सौभाग्य व्रत और उसका माहात्म्य	२५१
५९.	अविघ्नकर व्रत और माहात्म्य	२५३
६०.	शान्ति व्रत और माहात्म्य	२५४
६१.	काम्यव्रत माहात्म्य	२५५
६२.	आरोग्यकारक व्रत विधि और उसका माहात्म्य	२५७
६३.	पुत्र प्राप्ति व्रत और माहात्म्य	२६१
६४.	शौर्यव्रत विधान और माहात्म्य	२६२
६५.	सार्वभौम-वैष्णव-धर्म-रौद्र-इन्दु-पितृ व्रतविधि और माहात्म्य	२६३
६६.	पाञ्चरात्र का महत्त्व और विष्णु प्राप्ति का उपाय	२६५

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
६७.	विष्णु के आश्चर्य वर्णन के साथ जगदुत्पत्ति कथन	२६७
६८.	चतुर्युग स्वरूप और गम्यागम्यादिकथनपूर्वक प्रायश्चित्त कथन	२६९
६९.	नारायणाश्चर्य प्रसङ्ग में अगस्त्य तापस संवाद	२७२
७०.	युगावस्था, ब्रह्मा-विष्णु-रुद्र में अभेद, रुद्र का मोहशास्त्र निर्माण	२७७
७१.	त्रिदेवों में अभेदत्व, मोहशास्त्र प्रयोजन, गौतम आख्या, गोदावरी उत्पत्ति, गौतम का ब्राह्मणों को शाप	२८२
७२.	प्रकृति और पुरुष का निर्णय, त्रिदेवों में अभेदत्व	२८९
७३.	वैराजवृत्तसहित रुद्र द्वारा विष्णु स्तुति और वर प्राप्ति	२९१
७४.	भुवनकोश, प्रियव्रत चरित्र, द्वीप वर्षादि वर्णन	२९७
७५.	भुवनकोश-सुमेरु और जम्बूद्वीप वर्ण-विभाग आदि वर्णन	३०१
७६.	भुवन कोश- दिक्पालों की पुरियों का वर्णन	३०९
७७.	भुवनकोश :: मेरु केतुमाल और कुरु वर्ष का वर्णन	३११
७८.	भुवनकोश—गन्धमादन आदि पर्वत और वन	३१४
७९.	भुवन कोश-मेरु द्रोणी स्थित सर, वन, आश्रम आदि वर्णन	३१७
८०.	भुवनकोश-मेरु पर देव आश्रम, वनद्रोणी का वर्णन	३२०
८१.	भुवनकोश-मेरु पर देव-दानव-राक्षस निवास वर्णन	३२४
८२.	भुवनकोश-नदी, जनपद और कुल पर्वतों का वर्णन	३२८
८३.	भुवनकोश-नैषधस्थ कुलाचल, जनपद, नदियों का निरूपण	३३०
८४.	भुवनकोश दक्षिणोत्तर और कुरु वर्ष वर्णन	३३१
८५.	भुवनकोश-भारत का नौ भेद, कुलपर्वत नदी के साथ शाकद्वीप के कुल पर्वत नदी का वर्णन	३३३
८६.	भुवनकोश कुशद्वीप के वर्ष और नदियाँ	३३६
८७.	भुवनकोश क्रौञ्चद्वीप के कुलपर्वत, जनपद और नदियाँ	३३८
८८.	भुवनकोश शाल्मलि, गोमेद, पुष्कर द्वीप के साथ पृथ्वी और ब्रह्माण्ड	३३९
८९.	त्रिशक्ति माहात्म्य, त्रिकला देवी का प्रादुर्भाव, ब्राह्मी शक्ति निरूपण	३४१
९०.	त्रिशक्तियों के विभिन्न नाम, ब्रह्मा द्वारा सृष्टि देवी की स्तुति उसका माहात्म्य	३४६
९१.	वैष्णवी चरित्र, तपनिष्ठ वैष्णवी के लावण्य से मोहित नारद का महिषासुर को उकसाना	३४८
९२.	महिषासुर का मन्त्रियों से मन्त्रणा, देवों के पास दूत भेजना, देवयुद्ध के हेतु तैयारी	३५२
९३.	त्रिशक्ति माहात्म्य में देव-दानव युद्ध और देवपराजय	३५६
९४.	त्रिशक्ति माहात्म्य में देवी द्वारा महिषासुर वध, देवी स्तुति	३५८
९५.	रौद्री शक्ति का आविर्भाव, रुरु दैत्य वध, चामुण्डा स्तुति	३६६
९६.	रुद्र का कापालिकत्व और कपालमोचन तीर्थ	३७४
९७.	तपनिष्ठ सत्यतपा का अंगुली कटना, सत्य की परीक्षा	३७८

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
९८.	विष्णु अर्चन-दीक्षा विधि और अन्नदान सहित तिल धेनु दान माहात्म्य	३८२
९९.	जलधेनु दान और माहात्म्य	३९३
१००.	रसधेनु दान विधि और माहात्म्य	३९५
१०१.	गुडधेनु दान और माहात्म्य	३९७
१०२.	शर्कराधेनु दान और माहात्म्य	३९९
१०३.	मधुधेनु दान और उसका माहात्म्य	४०२
१०४.	क्षीरधेनु दान और माहात्म्य	४०४
१०५.	दधिधेनु दान और माहात्म्य	४०६
१०६.	नवनीतधेनु दान और माहात्म्य	४०८
१०७.	लवणधेनु दान विधि और माहात्म्य	४१०
१०८.	कपासधेनु दान विधि और माहात्म्य	४१२
१०९.	धान्यधेनु दान विधि और माहात्म्य	४१३
११०.	कपिला गौ लक्षण और उसका माहात्म्य	४१६
१११.	कपिला माहात्म्य, अष्टादश पुराण नाम, वाराहीसंहिता माहात्म्य	४१८
११२.	धरणी की ब्रह्मा की प्रेरणा से माधव स्तुति	४२६
११३.	वराह स्वरूप वर्णन और विभु अर्चना विषयक नानाविध प्रश्न	४३१
११४.	समन्त्रक विष्णु की अर्चाविधि और चातुर्वर्ण कर्म	४३८
११५.	विष्णु पूजन फल, सुख-दुःख प्रापक शुभाशुभ कर्म	४४३
११६.	विष्णु पूजा कालिक बत्तीस अपराध	४४८
११७.	मन्त्र सहित भगवान् की आराधना और माहात्म्य	४५३
११८.	विष्णु के प्रापणक में भोज्याभोज्य के अन्न निरूपण	४६०
११९.	नारायण की समन्त्रक पूजा और त्रिसन्ध्या अनुकरणीय कर्म	४६३
१२०.	गर्भवासाभाव कर्म और शुद्ध वैष्णव लक्षण	४६६
१२१.	वैष्णव लक्षण, कोकामुख माहात्म्य सहित चिल्ली और मत्स्य आख्यान	४६९
१२२.	शरदादि ऋतुओं और मार्गशीर्ष, वैशाख मासों में विविध पुष्पों गन्धों से विष्णु पूजन का फल	४८०
१२३.	षड्ऋतु कर्म सहित षड्ऋतुओं में विष्णुपूजा से मोक्ष प्राप्ति	४८५
१२४.	विष्णु माया का माहात्म्य और सोमशर्मा का आख्यान	४९१
१२५.	कुब्जाग्रक माहात्म्य में व्याली-नकुलोपाख्यान	५०९
१२६.	ब्राह्मण-विष्णु दीक्षा विधान और उसमें वर्ज्यावर्ज्य	५३०
१२७.	विष्णु दीक्षा के कर्तव्य, गणान्तिका ग्रहण विधि, विष्णु पूजा कङ्कनी, अञ्जन, दर्पण अर्पण	५३८
१२८.	सन्ध्योपासना, विष्णुदीपदान, ताम्रपात्र महत्त्व और गुडाकेशोपाख्यान	५४७
१२९.	विष्णु पूजा में राजात्र ग्रहण निषेध और प्रायश्चित्त	५५४
१३०.	दन्तकाष्ठ भक्षण विना विष्णु पूजा का प्रायश्चित्त	५५७

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
१३१.	मृतक दर्शन, शवस्पर्श, रजस्वलादि स्पर्श का विष्णु पूजा में प्रायश्चित्त	५५८
१३२.	श्रीविष्णु पूजन में पुरीष सहित अपान वायु त्याग से प्रायश्चित्त	५६३
१३३.	विष्णु पूजा के समय पुरीष उत्सर्ग	५६४
१३४.	विष्णु पूजा के समय सामयिक अपराध और प्रायश्चित्त	५६५
१३५.	विष्णु पूजन में रक्तादि वस्त्र निषेध और अन्यान्य अपराधों के प्रायश्चित्त	५७३
१३६.	विष्णु पूजा में अन्यान्य अपराधों का प्रायश्चित्त	५८०
१३७.	चक्रादि नाना तीर्थ, शौकरक महात्म्य में सोम की तपस्या, विष्णु का वरदान, गीध शृंगाली उपाख्यान और आदित्य को वरदान	५९३
१३८.	विष्णु मन्दिर में लेपन, मार्जन, गायन आदि का फल, आदित्य तीर्थ और खयरीठोपाख्या	६२२
१३९.	विष्णु मन्दिर लेपन आदि माहात्म्य में चाण्डाल और राक्षस आख्यान	६३३
१४०.	कोकामुख का श्रेष्ठत्व और वहाँ अन्यान्य तीर्थों का माहात्म्य	६४५
१४१.	बदरीवन माहात्म्य और विभिन्न तीर्थों का वर्णन	६५५
१४२.	गुह्यकर्म, चित्त की धारणा, स्त्री गमनदि उपाय और संन्यास की श्रेष्ठता	६६२
१४३.	मन्दार क्षेत्र का माहात्म्य	६६९
१४४.	शालग्राम क्षेत्र और नन्दीश्वर, उस क्षेत्र में अन्य तीर्थ	६७४
१४५.	गोनिष्क्रमण तीर्थ की उत्पत्ति और उसका माहात्म्य	६८५
१४६.	स्तुत स्वामितीर्थ का नामकरण और उसका माहात्म्य	६९१
१४७.	साम्ब को दुर्वासा का श्राप, यदुकुल विनाश, द्वारका तीर्थों का माहात्म्य	६९९
१४८.	सानन्दूर तीर्थ, विष्णु प्रतिमा, स्नानसहित मरण फल और माहात्म्य	७१०
१४९.	लोहार्गल क्षेत्र का माहात्म्य, नाम का कारण, उसके विविध तीर्थ	७१६
१५०.	मथुरा-माहात्म्य में विश्रान्ति, प्रयाग आदि तीर्थ प्रशंसा क्रम में तिन्दुक क्षेत्र प्रशंसा, नापितोपाख्यान	७२४
१५१.	मथुरा माहात्म्य में क्षत्रधनु और पीवरोपाख्यान सहित द्वादश वन वर्णन	७३१
१५२.	मथुरा माहात्म्य-क्षत्रधनु-पीवरी की जातिस्कर सहित विविध तीर्थ कथन	७३६
१५३.	मथुरा माहात्म्य-अक्रूरतीर्थ में सुधन और ब्रह्मराक्षस वार्ता	७३९
१५४.	मथुरा माहात्म्य-वत्सक्रीडनक, भाण्डीर, वृन्दावन आदि तीर्थों का माहात्म्य	७४७
१५५.	मथुरा माहात्म्य-इनके तीर्थों में स्नान, दान, मरण, पिण्डदान का फल कथन	७५०
१५६.	मथुरा माहात्म्य केशव की प्रदक्षिणा व दीपदान, मथुरा प्रदक्षिणा	७५५
१५७.	मथुरा माहात्म्य—पृथ्वी प्रदक्षिणा कर्त्ताओं के नाम, मथुरा प्रदक्षिणा का फल कथन	७५९
१५८.	मथुरा माहात्म्य-मथुरा परिक्रमा विधि और उसका महत्त्व	७६२
१५९.	मथुरा प्रदक्षिणा से समस्त नरकों के दुःखों से निवृत्ति	७७१
१६०.	मथुरा माहात्म्य—चक्रतीर्थ वर्णन में ब्राह्मण कुमार की ब्रह्महत्या निवृत्ति	७७२
१६१.	मथुरा माहात्म्य—वैकुण्ठ तीर्थ व ब्रह्महत्या, तीर्थों का माहात्म्य और कपिल वाराहाख्यान	७७९

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
१६२.	मथुरा माहात्म्य—भाद्रशुक्ल एकादशी अन्नकूट परिक्रमा व विधि	७८६
१६३.	मथुरा माहात्म्य—चतुःसामुद्रिक कूप प्रसङ्ग में वणिगोपाख्यान	७९१
१६४.	मथुरा माहात्म्य—विमति आख्यान, विष्णु से उसका वध	७९७
१६५.	मथुरा माहात्म्य—विश्रान्ति तीर्थ माहात्म्य और ब्राह्मण-राक्षसोपाख्यान	८००
१६६.	मथुरा माहात्म्य—क्षेत्रपाल महादेव का अवस्थान और विविध तीर्थ	८०४
१६७.	मथुरा माहात्म्य—यज्ञोपवीत स्नान, गरुड-विष्णु संवाद और माथुर विष्णु स्वरूप	८०६
१६८.	मथुरा माहात्म्य में गोकर्णोपाख्यान	८११
१६९.	मथुरा माहात्म्य में गोकर्णोपाख्यान	८२०
१७०.	मथुरा माहात्म्य—गोकर्णोपाख्यान, आराम-वाटिका आरोपण फल	८२७
१७१.	मथुरा माहात्म्य—गोकर्ण सहित शुक का दिव्यलोक गमन	८३४
१७२.	मथुरा माहात्म्य—संगम माहात्म्य में महानाम ब्राह्मण और पञ्चव्रत, वामन पूजा, श्रावण द्वादशी	८३६
१७३.	मथुरा माहात्म्य—कृष्ण-गंगा प्रसंग में तिलोत्तमा-पाञ्चालाख्यान	८४६
१७४.	मथुरा माहात्म्य—तिलोत्तमा-पाञ्चालाख्यान, कृष्णगंगा माहात्म्य	८४९
१७५.	मथुरा माहात्म्य साम्बाख्यान और सूर्यराधनावश कुष्ठशमन	८५८
१७६.	मथुरा माहात्म्य—शत्रुघ्न से लवण वध, विश्रान्ति तीर्थ में महोत्सव	८६४
१७७.	विष्णु पूजन में तैत्तिरीय प्रकार के अपराध और प्रायश्चित्त	८६५
१७८.	मथुरा माहात्म्य—श्राद्ध माहात्म्य और चन्द्रसेन नृपाख्यान	८६९
१७९.	विष्णु की मधुकाष्ठ प्रतिमार्चन-प्रतिष्ठापन विधान	८८३
१८०.	विष्णु की शैल प्रतिमा पूजन-स्थापन विधान	८८६
१८१.	विष्णु मृण्मयी मूर्ति की स्थापना-अर्चना विधान	८९०
१८२.	विष्णुताम्र प्रतिमा पूजन और स्थापन विधान	८९५
१८३.	विष्णु कांस प्रतिमा पूजन-प्रतिष्ठापन विधान	८९९
१८४.	विष्णु की रौप्य या स्वर्ण प्रतिमा स्थापना-पूजन विधान	९०३
१८५.	श्राद्ध उत्पत्ति, निमिनारद सम्वाद, मरने काल में गोदान, मधुपर्क दान, शवदाह क्रिया विधान	९०८
१८६.	श्राद्ध विधान, प्रेत हितार्थ छत्र, उपानह, इष्ट वस्तु आकद का दान, निमि-आत्रेय संवाद	९२१
१८७.	प्रेतश्राद्ध और भोजन प्रतिग्रह का प्रायश्चित्त, उत्तम ब्राह्मण प्रशंसा	९३१
१८८.	श्राद्ध विधान में, नील वृष दान, आवश्यक कृत्य आदि कथन	९३४
१८९.	मधुपर्क की उत्पत्ति और उसे देने का फल	९४७
१९०.	सर्वशान्ति विधि, मृत्युकाल में मधुपर्क का फल, शान्त्याध्याय का पाठ और फल	९५०
१९१.	कर्मविपाक वर्णन के प्रसङ्ग में नचिकेतोपाख्यान	९५४

अध्याय	विषय	पृष्ठाङ्क
१९२.	यमलोक से वापस आये नचिकेता ऋषि सम्वाद	९६०
१९३.	पापियों और पुण्यात्मा से जुड़े यमलोक विषयक प्रश्न	९६४
१९४.	धर्मराजपुरी सहित पुष्पोदका वैवस्वती नदियों का वर्णन	९६७
१९५.	यमपुरी में विभिन्न दिशाओं में स्थित गोपुर, यमसभा आदि विषयक वर्णन	९७१
१९६.	यमराज की स्तुति सहित यमपुरी के विभिन्न शुभाशुभ का वर्णन	९७६
१९७.	यमलोक में प्राप्त होने वाले यातनाओं का वर्णन	९८४
१९८.	नरक वर्णन सहित वहाँ दी जा रही यातनायें	९८९
१९९.	राक्षस-किन्नर युद्ध के सहित धर्मराज द्वारा ज्वर प्रशंसा	९९६
२००.	कर्म-विपाक का वर्णन	१००१
२०१.	पाप समूह विवेचनपूर्वक उसके फल हेतु चित्रगुप्त कथन	१०१०
२०२.	चित्रगुप्त द्वारा दूतों को पापियों हेतु यातना का आदेश दिया जाना	१०१७
२०३.	पुनः प्राणियों के शुभाशुभ कर्म विपाक वर्णन	१०२०
२०४.	शुभकर्म विपाक वर्णन में गो प्रशंसा, गोसेवा प्रशंसा	१०२३
२०५.	नारद और यमराज सम्वाद में विविध व्रत, दान आदि का फल	१०२७
२०६.	पतिव्रता माहात्म्य	१०३३
२०७.	पतिव्रता स्त्री धर्म निरूपण	१०४२
२०८.	जीव को स्वोद्धारार्थ शुभकर्म की अपेक्षा, पापनाश के उपाय कथन	१०४४
२०९.	चातुर्वर्णों के पापनाशक उपाय, प्रबोधिनी एकादशी माहात्म्य	१०५१
२१०.	नचिकेता की वाणी सुनने के अनन्तर ऋषियों का अपने स्थान गमन	१०६१
२११.	ब्रह्मा और सनत्कुमार संवाद में गोकर्णेश्वर माहात्म्य नन्दिकेश्वरोपाख्यान	१०६४
२१२.	नन्दी का माहात्म्य	१०७२
२१३.	अथ गोकर्णेश्वर-शैलेश्वरोत्पत्तिः	१०८०
२१४.	अथ गोकर्णेश्वरमाहात्म्यम्	१०९२
२१५.	अथ वाराहपुराणपाठफलम्	१०९४

